

गणनायक से मन

गणनायक से हट कर मन कही जाता नहीं है,
सच पूछो तो उन जैसा कोई दाता नहीं

है सुख कही दर्द समजलो यही है
गणनायक से हट कर मन कही जाता नहीं है,

भगतो की आशायो को जो पूरी कर दे
रिधि सीधी से वरनायक झोली भर दे
रोशनी से भर दिए आँखों के दिए
नाव में दे जिनकी थी वो भी है जिए
अनहोनी को होनी कर दे देवा याहा
इनके चरणों में दिल गबराता नहीं हिया
गणनायक से हट कर मन कही जाता नहीं है,

आते है सवाली कई सवाल लिए
संग कई उल्लज्नों के जाल लिए
अन्तर्यामी ने सब को जवाब दिए
जो भी आये लौटे नए खाबब लिए
अपनी करनी का करले इकरार याहा
इस मंदिर जैसा मिलता दरबार काहा
दिल खोले में कोई शरमाता नहीं है
याहा गणना हो वाहा विघन आता नहीं है
तुझबिन कोई दुःख हरता कहलाता नहीं है

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19052/title/gannayak-se-man>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |